21वीं सदी में मेरे सपनों का भारत

"21वीं सदी में मेरे सपनों का भारत" यह शीर्षक ऐसा है जिसमें कई बातें छिपी हुई हैं जैसे 21वीं सदी में हमारे भारत का स्वरुप क्या होगा या 21वीं सदी में भारत हमको कुछ नयी वस्तु प्रदान करेगा या अन्य कई भ्रान्तियाँ पैदा हो जाती हैं। परन्तु इस शीर्षक में हमें वो सब बातें लेनी हैं जिससे 21वीं सदी हमारे भारत के ऊपर क्या प्रभाव पड़ेगा, मसलन भारत का स्वरुप तभी निखर कर आयेगा जब आज भारत में पैदा हुई और होने वाली कुरीतियों को समाप्त कर नये भारत का निर्माण होगा। फिर भी हम कल्पना करने पर मजबूर हो जाते हैं कि 21वीं सदी तक हम कितनी तरक्की कर लेगें हमारे समाज में कैसी भ्रान्तियां समाप्त होंगी और एक नये भारत का उदय होगा। इन्हीं सब बातों का विचार व तर्क सभी पहलुओं पर हम इस शीर्षक में अभिव्यक्त करेगें।

भारत एक कृषि प्रधान देश है तथा इसकी 3/4 जनसंख्या गांवों में रहती है। तो भारत में जब तक गाँवों में रह रहे लोगों की आर्थिक, सामाजिक व रहन-सहन की अवस्था में ससुधार नहीं होगा तब तक हमारा समाज प्रगति नहीं कर सकता। सरकार के द्वारा चलाई जाने वाली योजनायें भी गाँवों के लोगों को ऊपर उठाने के प्रयास में लगी हुई हैं।

गरीबी हमारी प्रगति में सबसे बड़ी बाधा उत्पन्न कर रही है क्योंकि गरीबी को दूर करने के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। सन 2000 तक सरकार का दावा है हर व्यक्ति को रोजगार मिल पायेगा। रोजगार की दृष्टि से हमारे देश में काफी योजनाऐं चलायी जा रही है।

बिजली एक ऐसी समस्या है जो हर क्षेत्र में पायी जाती है हमारे देश के इंजीनियर व वैज्ञानिक निरन्तर प्रयास में लगे हैं कि बिजली की समस्या का समाधान कैसे हो क्योंकि विकास के रास्ते में बिजली और पानी बहुत महत्वपूर्ण हैं।

पानी की समस्या अधिकतर देखी जाती है परन्तु सरकार कई योजनाओं के द्वारा पीने के जल को सही प्रकार से वितरण कराने की व्यवस्था में लगी हुई है। पानी एक ऐसी अमूल्य वस्तु है परन्तु कई स्थानों पर तो लोगों को पीने का सही व शुद्ध पानी तक नसीब नहीं होता। हम कल्पना करते हैं कि आने वाले कल में सभी को पानी उपलब्ध हो जायेगा।

बेरोजगारी जैसी समस्या करीब-करीब सभी देशों में है परन्तु हमारे देश में अभी से हमारे प्रधान मंत्री जी ने यह एलान कर दिया है कि आने वाले वर्षों में सभी को रोजगार मिलेगा। हमारे देश में अनुसूचित जाति, जन-जाति के लोगों को रोजगार में आरक्षण दिलाने की भी नीति सरकार लागू कर चुकी है। आने वाले वर्षों में सभी ऐसी जातियों को रोजगार मिल पायेगा।

सबसे बड़ी समस्या हमारे देश में बढ़ती आबादी की है। हमारे देश में आबादी निरन्तर बढ़ती जा रही है जो हमारी प्रगति में बाधा उत्पन्न करती है। सरकार काफी परिवार नियोजन के कार्यक्रम चला रही है ताकि इस बढ़ती आवादी/जनसंख्या को रोका जा सके वरना आने वाले वर्षों में इसका बड़ा विकराल रुप होगा। दूसरे देशों में, यदि हम

विनय कुमार श्रीवास्तव, "अवर श्रेणी लिपिक"

देखें, तो बड़े सख्त नियम कानून हैं परन्तु फिर भी हमारे देश में इस समस्या को निपटने की सरकार की तैयारी है। हमारे देश में बच्चों के विकास पर सरकार पूर्ण ध्यान दे रही है जैस .बाल श्रमिक कानून बनाया गया है। छोटे छोटे बच्चे जो इस देश का भविष्य है उनसे कठिन कार्य लिया जाता है और वे चूंकि गरीब होने के कारण थोड़े पैसों पर ही कार्य करते है जिससे उनके व्यक्तित्व का विकास रुक जाता है। बच्चों के विकास का सीधा प्रभाव पूरे राष्ट्र पर पड़ता है तो सरकार इसी लिए बच्चों की पढ़ाई व्यवस्था आदि पर विशेष ध्यान दे रही है। हमारे देश की स्वास्थय सेवा निरन्तर बढ़ती जा रही है स्वास्थय के क्षेत्र में नई-नई तकनीक विकसित हो रही हैं। स्वास्थय लाभ के लिए लोगों को विदेश का मुँह नहीं देखना पड़ता। हमारे देश में अभी हाल में ही हृदय परिवर्तन की नई प्रणाली को जन्म दिया गया जिसका सफल आप्रेशन दिल्ली के औल इण्डिया मेडिकल साइन्सेज ने किया। इससे पहले टेस्ट ट्यूब बेबी जैसे परीक्षण हमारे यहां हो चुके हैं। स्वास्थय के क्षेत्र में हम काफी तरक्की कर चुके हैं।

हमारे देश में जल स्त्रोंतों के बारे में नई नई खोजें होती रही हैं। हमारे देश के कुशल वैज्ञानिक इसे कई विधियों से खोजने का प्रयास कर रहे हैं। इसमें सबसे मुख्यतः रिमोट सेसिंग टेक्निक है। रिमोट सेन्सिग के द्वारा हम जल के स्त्रोंतों का पता लगाते हैं। अन्तरिक्ष में भेजे सफल उपग्रह समय समय पर पृथ्वी के फोटो लेते रहते हैं जिसे रिमोट सेंसिंग कहते हैं। उससे लिये गये चित्रों को देख कर पता लगाया जाता है कि पृथ्वी के किस किस हिस्से में जल व्यर्थ पड़ा है जो हमें आज तक मालूम नहीं है। इस प्रकार वैज्ञानिकों ने और भी जल को प्राप्त करने के नए-नए तरीके खोज निकाले हैं।

21वीं सदी में भारत का स्वरुप - हम उपरोक्त सभी जानकारीयों को मद्देनजर रखते हुए यह कह सकते हैं कि 21वीं सदी में भारत का स्वरुप बहुत विशाल हो जायेगा। भारत में सबको बराबर शिक्षा का अवसर मिल पायेगा। हमारे भारत से अधिकांश गरीबी दूर हो जायेगी। लोग अधिकतर शिक्षित होंगे। समाजिक कुरीतियों का अन्त होगा। हर क्षेत्र में विज्ञान की उपलब्धि होगी। विज्ञान काफी सीमा तक बढ़ जायेगा। हम घर बैठे बहुत कुछ जानकारी टेलिविजन या अन्य माध्यम से प्राप्त कर लेगें। दूर संचार के क्षेत्र में काफी तरक्की हो जायेगी। हम एक कोने से बैठे देश के या विश्व के किसी कोने तक साक्षात रुप में टेलिविजन फोन पर बात कर सकेंगे। कम्प्यूटर का विकास अधिक होगा व मनुष्य के जीवन के हर क्षेत्र में कम्प्यूटर का योग दान होगा। कृषि के क्षेत्र में हम काफी बढ़ जायेगे हमारी फसलें अच्छी होंगी। डंकल प्रस्ताव के लग जाने पर गांवों के किसान भाईयों को अपनी मेहनत का अच्छा पैसा प्राप्त होगा। बीज खेतों में कम दाम पर अच्छा बोया जायेगा जिससे उत्पादन 4 गुना बढ़ जायेगा। हमारे देश के कर्मठ वैज्ञानिक नये-नये तरीके खोज लेगें। कृषि हमारे देश का मुख्य व्यवसाय होगा। हमारे रहन सहन का स्तर भी 21वीं सदी में काफी ऊंचा हो जायेगा। हम लोग दूसरे देशों के ऊपर निर्भर नहीं होंगे हमारे देश में सभी वस्तुऐं बनायी जायेगी। रक्षा के क्षेत्र में हमारे देश का हर बच्चा पढ़ा लिखा होगा व शिक्षा के नये-नये कार्यक्रम चलाये जायेंगे।

21वीं सदी का भारत ऐसा होगा कि हमारे पड़ोसी देश देख कर हमारे से होड़ लगायेगें। शिक्षा रोजगार, अनुसंधान के क्षेत्र में भारत बहुत आगे निकल जायेगा जिसमें रहने वाला हर नागरिक सुख चैन की नींद व आराम से रोटी खा पायेगें। जब बिजली-पानी जैसी गंभीर समस्याऐं दूर हो जायेंगी तो तरक्की अपने आप हमारे कदम चूमेगी। भारत एक सोने की चिड़िया के नाम से जाना जाता था और आने वाले कल में फिर उसी का निर्माण होगा। 21वीं सदी की ओर बढ़ते हुए हम सब आर्थिक व सामाजिक रुप से और मजबूत हो जायेगें। समाज में फैली बुराईयों का अन्त हो जायेगा। इस प्रकार मेरे सपनों का भारत २१ वी सदी में एक नया रुप ले कर उभरेगा।